केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन
मुख्यालय कार्यालय, प्रयागराज
जनसम्पर्क विभाग

सं. कोर/जी/पी.आर./010 भाग-XXV **प्रेस ब्रीफ** दिनांक 05.04.2021

सर्वाधिक रेल विद्युतीकरण कर रचा इतिहास

कोविड-19 महामारी के बावजूद भारतीय रेल ने देश की आर्थिक विकास यात्रा को रेल विद्युतीकरण के माध्यम से 'मिशन मोड' पर कार्य करते हुए इतिहास रच दिया है। अब तक के पिछले सभी रिकार्डों को ध्वस्त करते हुए भारतीय रेल ने 6015 रूट किलोमीटर का रेल विद्युतीकरण कर कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रयागराज में वर्ष 1979 में स्थापित केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, जो कि रेल विद्युतीकरण के उद्देश्य की प्राप्ति के लिए भारतीय रेल की अग्रणी संस्था है, ने हमेशा कि तरह विद्युतीकरण के कीर्तिमान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पिछले वित्त वर्ष में भारतीय रेलवे के विद्युतीकरण के कार्य को आगे बढ़ाते हुए कोर ने वर्ष 2020-21 के दौरान कुल 3067 रूट किलोमीटर विद्युतीकरण किया है। जिसमें 2862 रूट किलोमीटर का CRS निरीक्षण पूर्ण हो सका एवं अतिरिक्त 205 रूट किलोमीटर CRS निरीक्षण के लिए तैयार किया गया। यह उपलब्धि पिछले वर्ष की आकड़ों से 17.69% ज्यादा है। पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में इस वित्तीय वर्ष में विद्युतीकरण के दौरान कोर ने फाउंडेशन में 17.6% एवं मास्ट एरेक्शन में 4.3% की वृद्धि किया है, अब तक 36 TSS एवं 210 SP/SSP चालू किए गए है इसी प्रकार 69 स्टेशनों तथा 29 समपार फाटकों पर विद्युतीकरण के अनुरूप सिगनल मोड़िफिकेशन का कार्य भी किया गया एवं 35 नए ब्लॉक इन्स्टुमेंटों को बदला गया।

ज्ञात हो कि भारतीय रेल को वर्ष 2030 तक हरित रेलवे बनाने का लक्ष्य पूरा किया जाना है। तेज गति से किए जा रहे विद्युतीकरण कार्य द्वारा सभी ब्रॉड गेज का रेल विद्युतीकरण दिसम्बर 2023 तक पूर्ण करने का लक्ष्य मिला है। भारतीय रेल लास्ट माइल कनेक्टिविटी और अभी तक परस्पर न जुड़ पाए मार्गो के विद्युतीकरण पर इस समय विशेष ध्यान केन्द्रित कर रही है।

पिछले वित्त वर्ष की उपलब्धियों को बताते हुए कोर के महाप्रबन्धक श्री यशपाल सिंह, ने बताया कि कोर ने लॉकडाउन की कठिन परिस्थितियों के दौरान विस्थापित श्रमिकों के लिए 108353 मानव दिवस कार्य का सृजन किया एवं इसके लिए 132.8 करोड़ का भुगतान परिश्रमिक के रूप में करवाया । कोर द्वारा अगस्त 2020, में एक दिन में सर्वाधिक 1506 मास्ट इरेक्शन करने का एवं सितम्बर 2020 में सर्वाधिक वायरिंग यानी 138 शॉट्स का कीर्तिमान स्थापित किया गया। कोर के विद्युतीकरण के इतिहास में OHE मास्ट के लिए सिलिंडरिकल फाउंडेशन का प्रयोग पहली बार पिछले वित्त वर्ष में प्रारम्भ किया गया।

वर्ष 2020-21 में हाईराइज ओएचई के सपने को पहली बार मूर्त रूप दिया गया जिससे पालनपुर से पीपावव पोर्ट तक डबल-डेकर माल गाड़ियों का परिचालन सम्भव हो सका है। बिजली के इंजनों द्वारा डबल-डेकर माल गाड़ियों का परिचालन एक कीर्तिमान रहा जो कि पहले कही नहीं हुआ । कंटेनर, बल्क कारगो तथा रो-रो कारगो को हैण्डिल करने के लिए भारत के पश्चिमी तट पर पिपावाव बंदरगाह तक विद्युतीकृत रेल नेटवर्क की आसान पहुंच से भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग के महत्वपूर्ण स्थानों पर साजो-समान पहुंचाने में विशेष मदद मिल रही है।

विद्युतीकरण के दौरान तारों को दौड़ाने के लिए ट्रैक के ऊपर बने कई पुलों को ऊपर उठाया गया जिससे तारों को आवश्यक क्लियरेंस सुनिश्चित किया जा सके। श्री यशपाल, के अनुसार इनमें गुजरात में सावरकुंडला एवं राजुला के पास पुल को उठाना बहुत चुनौतीपूर्ण रहा।

कोर ने फाफामऊ-प्रतापगढ़, सुल्तानपुर-चिलबिला, जंघई-जाफराबाद, न्यू डोमोहनी-बेतगारा, निमटिता-न्यू फरक्का, कुड्डालोरे पोर्ट-वृद्धाचलम, पीलीभीत-टनकपुर तथा गोरखपुर-आनंदनगर सेक्शनों का कार्य शीघ्रता के साथ करते हुए एक वर्ष मे ही पूरा कर लिया।

वर्ष 2020-21 के दौरान कोर द्वारा कटनी-सतना खण्ड का विद्युतीकरण होने से मुम्बई-हावड़ा वाया प्रयागराज रेल मार्ग का अतिरिक्त रूट मिला। बिहार में भागलपुर-शिवनारायन खण्ड विद्युतीकृत होने से मुम्बई-जलपाईगुड़ी तथा वैष्णो देवी कटरा से हावड़ा वाया पटना विद्युत रूट तैयार हो गया। तिरुवरूर-कराईकल पोर्ट खण्ड का विद्युतीकरण होने से इरोड, कोयम्बटूर एवं पालघाट पोर्ट की इलेक्ट्रिक इंजन की कनेक्टिविटी हो गई है। झारखंड में करैला रोड-शक्तिनगर सेक्शन के विद्युतीकृत होने से गड़वा-चोपन-शक्तिनगर के मध्य एक कोल रूट तैयार हो गया है। बिहार में मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी खण्ड के विद्युतीकरण होने से सीतामढ़ी तक विद्युत कर्षण रूट तैयार हो गया है। मध्य प्रदेश में लामटा-नैनपुर-समनापुर खण्ड विद्युतीकृत होने से जबलपुर से बल्लारशाह की दूरी 266 किलोमीटर कम हो गई है। राजस्थान में दिघवारा-बांदीकुई व बासी-जयपुर-कनकपुरा खण्ड विद्युतीकृत होने से जयपुर से अजमेर मार्ग विद्युतीकृत हो गया है। कुड्डालोरे पोर्ट-वृद्धाचलम विद्युतीकृत होने से चेन्नई-तिरुचिरापल्ली जाने का एक अतिरिक्त विद्युत कर्षण मार्ग मिल गया है। पीलीभीत-टनकपुर खण्ड का विद्युतीकरण होने से बरेली से नेपाल सीमा तक विद्युत कर्षण मार्ग तैयार हो गया है। उन्नाव-सीतापुर खण्ड का विद्युतीकरण होने से कानपुर से सीतापुर तक का अतिरिक्त विद्युत कर्षण मार्ग बन गया है, इटावा-उदयी-भांडी खण्ड का विद्युतीकरण होने से आगरा कैंट से इटावा तक का समानान्तर विद्युतीकृत मार्ग तैयार हो गया है। गढ़ी हरसू-फ़ारुख नगर खण्ड का विद्युतीकरण होने से दिल्ली का सम्पूर्ण परिचालन डीजल मुक्त हो गया है।

कोविड की आपदा को मौके में तब्दील करते हुए ई-ऑफिस का प्रयोग प्रारम्भ कर दिया गया, जिससे पेपर लेस वर्किंग के साथ ही कार्य का निपटान शीघ्रता से प्रारम्भ हो सका। इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एवं कन्ट्रक्शन विधा को वृहद स्तर पर लागू किए जाने से विद्युतीकरण के टेण्डरों को तीव्रता के साथ निपटाना सम्भव हुआ। कोर में ऑनलाइन इंडेंट की प्रक्रिया शुरू की गई और यूजर डिपो माड्यूल भी लागू किया गया।

डिजिटल माध्यम लागू करने से इन क्रिया कलापों में वित्तीय बचत हुई । मानव संसाधन प्रबंधन पद्धति (HRMS) के माध्यम से अब ई-सुविधा पास जारी करना प्रारम्भ किया गया।

रेल विद्युतीकरण महिला कल्याण संगठन द्वारा कोविड-19 से बचाव हेतु जिला राहत कोष में एक लाख रुपये का योगदान दिया गया।

श्री यशपाल के अनुसार उपरोक्त महत्वपूर्ण सेक्शनों के विद्युतीकृत हो जाने से देश के विकास के पहिये को और गति मिलेगी। डीजल के आयात में कमी से ' आत्मनिर्भर भारत ' के सपने को साकार करने में मदद मिलेगी। रेल विद्युतीकरण की उक्त उपलब्धियों से प्रसन्न हो कर माननीय रेल मंत्री श्री पीयूष गोयल, ने सभी रेल परिवार के सदस्यों को लिखित धन्यवाद ज्ञापित किया है तथा कहा कि मै विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि इस प्रेरित टीम के साथ हम लगातार रिकार्ड तोड़ते रहेंगे, बड़े लक्ष्य हासिल करेंगे, अपने प्रदर्शन से दूसरों के लिए उदाहरण बनेगे और भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देंगे।

(अमिताभ शर्मा)
मुख्य जन संपर्क अधिकारी
कोर/प्रयागराज